वर्ष :: 33 अंक : 26
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

मिथिला
वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता
झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

/mithilavarnan

बोकारो :: रविवार, 26 मार्च, 2023 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका

अवश्य पढ़ें-
निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मैनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

20 गांवों को मिलेगा 'विकास-कनेक्शन', ग्रामीणों में हर्ष

विकास 57 साल बाद

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : गांधीवादी नेता एवं इस क्षेत्र के प्रथम विधायक हरदयाल शर्मा के गांव चिकसिया सहित आसपास के 20 गांवों में बड़ी खुशी मिली है। 57 वर्षों के बाद उनके गांवों का विकास से जुड़ाव हो सकेगा और तरक्की की किरणें पहुंच सकेंगी। धनबाद के सांसद पशुपति नाथ सिंह ने डीएमएफटी निधि से इस पथ के निर्माण की अनुशंसा कर क्षेत्र में रहने वाले लोगों को बड़ी सौगात दी है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय उच्च पथ (एनएच-32) के चास मुफस्सिल थाना के दक्षिण से एक सड़क गोमदीडीह नाला तक पूर्व से निर्मित है। जबकि, कालापाथर पंचायत अन्तर्गत गोमदीडीह (नाला) गांव की पुलिया से गांव होते हुए नावाडीह पंचायत के मूर्तिटांड़ होते हुए बोकारो इस्पात नगर के सेक्टर-6 स्थित गरगा पुल तक महज दो किलोमीटर सड़क का निर्माण आज तक नहीं हो सका है।

कालापाथर (चिकसिया) पंचायत एवं नावाडीह पंचायत के 20-25 गांव के लोगों को बोकारो स्टील

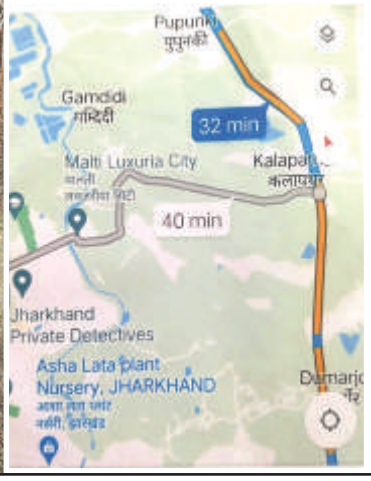

प्लांट की स्थापना के समय से ही उम्मीद थी कि उनके गांव को बोकारो शहर से गरगा नदी पर बने पुल से जोड़ा जाएगा, ताकि उन गांवों को रोजी-रोटी, नौकरी या व्यवसाय के लिए बोकारो जाने-आने के लिए आवागमन की सुविधा प्राप्त हो सके। 45 साल बाद 2010 में लोगों के आंदोलन के कारण गरगा नदी पर सरकार की ओर से बड़े पुल का निर्माण तो हुआ, लेकिन मात्र दो किलोमीटर सड़क नहीं होने से किसान-मजदूर, छोटे व्यापारी अथवा बीमार मरीजों को नदी के इस पार आने-जाने में अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र के पढ़ने वाले विद्यार्थी हों या शादी- विवाह अथवा अन्य आयोजनों में बोकारो आने-जाने वाले लोग हों, सबों को काफी खर्च का बोझ भी उठाना पड़ता है।

इसके अलावा, चास नगर निगम तथा केन्द्र व राज्य की संयुक्त योजना के तहत सिटी बस परिचालन की सेवा शुरू होनी है, उससे भी इस क्षेत्र के लोग वंचित समझते रहे हैं। लेकिन, सांसद श्री सिंह की ओर से उपायुक्त को अनुशंसा-पत्र लिखे जाने से उम्मीद जगी है कि इन गांवों के लोगों को जल्द ही बड़ी राहत मिलेगी।

सांसद पीएन सिंह ने दिखाई गंभीरता

सांसद पशुपतिनाथ सिंह ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए डीएमएफटी फंड से दो किलोमीटर इस लिंक रोड को प्राथमिकता देते हुए बनाने की अनुशंसा की है। मालूम हो कि इस पथ की लम्बाई लगभग चार किलोमीटर है, जिसमें चास मुफस्सिल थाना से लेकर दो किलोमीटर सड़क 5-6 साल पहले ही बना दी गई है, परन्तु आगे सड़क नहीं होने के कारण लोग इस रास्ते का समुचित उपयोग नहीं कर पा रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि देश की आजादी के बाद स्वर्गीय हरदयाल शर्मा इस क्षेत्र के पहले विधायक थे, जिनके प्रयास से ही पश्चिम बंगाल के तत्कालीन मानभूम जिले में स्थित चास और चंदनकियारी सहित धनबाद को काटकर बिहार में जोड़ा जा सका और देश के सबसे बड़े स्वदेशी इस्पात कारखाने की स्थापना बोकारो में संभव हो सकी।

सियासत बिहार प्रदेश भाजपा को मिला नया 'सम्राट', सांगठनिक ढ़ांचे में बड़ा बदलाव किया गया

जातिगत राजनीति में अब 'कुशवाहा' दौर

विशेष संवाददाता

पटना : भारतीय जनता पार्टी आगामी लोकसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कुनबे को पूरी तरह ध्वस्त करना चाहती है। भाजपा की सोची-समझी रणनीति का ही नतीजा है कि कभी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सबसे करीबी रहे उपेन्द्र कुशवाहा व आरसीपी सिंह सहित कई दिग्गज नेता उनके खिलाफ मुखर हैं। अब भाजपा ने लोकसभा चुनाव 2024 से पहले अपने सांगठनिक ढ़ांचे में बड़ा बदलाव किया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने संजय जायसवाल को हटाकर सम्राट चौधरी को उनकी जगह प्रदेश भाजपा अध्यक्ष की कमान सौंपी है। सम्राट चौधरी फिलहाल बिहार विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष हैं और कोइरी समाज से आते हैं। श्री चौधरी पिछली एनडीए सरकार में मंत्री थे। भाजपा में आने के बाद पार्टी ने उन्हें विधायक, विधान पार्षद, मंत्री, नेता प्रतिपक्ष और अब प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। दरअसल, बिहार की राजनीति में 'जाति' का बड़ा ही महत्व रहा है। बिहार की जातिगत राजनीति में अब मुस्लिम, यादव और कुर्मी के बाद 'कुशवाहा' दौर चल पड़ा है। क्योंकि, बिहार की राजनीति इन दिनों कुशवाहा वोट के इर्द गिर्द घूम रही है। पहले जदयू ने प्रदेश अध्यक्ष सहित कुल 24 लोगों को जंबो कमिटी में शामिल कर अपना पत्ता खोल दिया था। अब चूंकि लोहा को लोहा ही काटता है, इसलिए भाजपा ने भी अपना प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी को बनाकर अपनी रणनीति का खुलासा कर दिया है। दरअसल, नीतीश कुमार के विरुद्ध चुनावी युद्ध को संतुलित करने में सबसे कारगर वोट कुशवाहा का ही माना जा रहा है।

35 सीटों पर जीत का लक्ष्य

दरअसल, भाजपा की नजर बिहार की 40 में 35 लोकसभा सीटों पर है, जहां वह अपनी जीत सुनिश्चित करना चाहती है। क्योंकि, इससे पहले ही दिल्ली में पार्टी के उच्च पदस्थ नेताओं के साथ हुई बैठक में आगामी आम चुनाव में बिहार की 40 में से 35 लोकसभा सीटों पर जीत का लक्ष्य तय किया गया था। इसके लिए संगठन को मजबूत करने और सांगठनिक स्तर पर बड़े बदलाव करने पर सहमति बनी थी। इसी में तय किया गया था कि प्रदेश अध्यक्ष भी नया बनेगा। तब भाजपा की ओर से इसकी घोषणा नहीं की गई थी, लेकिन अब सम्राट चौधरी पर मुहर लगा दी गई।

भाजपा ने थामा पिछड़ों का दामन

सम्राट चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष बनाये जाने के साथ यह बात साफ हो गई है कि भाजपा ने पिछड़ों की राजनीति का दामन थाम लिया है। जानकारों की मानें तो बिहार में पिछड़ी जाति में यादव के बाद कुशवाहा समाज का सबसे ज्यादा वोट है। लगभग 7 से 9 प्रतिशत वोटों का आधार रखने वाला कुशवाहा समाज अब 'लव' की छतरी तले राजनीति को अंजाम देना चाहता है। क्योंकि, इसके पहले कम वोट बैंक के बाद भी यह समाज अब तक कुर्मी जाति से आने वाले नीतीश कुमार के नेतृत्व में राजनीति करने के लिए बाध्य था। लेकिन, अब उसे अपने अलग नेतृत्व की भूमिका मिल गई है।

जदयू ने छिनवाई विधान परिषद की सदस्यता

बिहार में आज जब नीतीश कुमार एक बार फिर राष्ट्रीय जनता दल के साथ महागठबंधन-2 की सरकार चला रहे हैं तो विधान परिषद के अन्दर और बाहर सम्राट चौधरी विपक्ष की सबसे बुलंद आवाज माने जाते हैं। लेकिन, सम्राट चौधरी जब जदयू के साथ थे तो नीतीश कुमार ने न सिर्फ सम्राट चौधरी से किनारा कर लिया, बल्कि दल-बदल कानून के आधार पर उनकी विधान परिषद की सदस्यता भी छिनवा दी थी। लेकिन, समय बदला और परिस्थितियां बदलीं, नीतीश कुमार फिर भाजपा के साथ आ गए। लेकिन, तब तक सम्राट चौधरी ने भाजपा के अंदर अपनी मजबूत पकड़ बना ली थी। 16 नवंबर 1968 को जन्मे सम्राट चौधरी उर्फ राकेश कुमार फिलहाल भाजपा की ओर से बिहार विधान परिषद के सदस्य हैं। इनके पिता शकुनी चौधरी सांसद और मंत्री रह चुके हैं।

– संपादकीय –

राजनीतिक टकराव बढ़ने के आसार

सूरत की एक अदालत द्वारा मानहानि के एक मामले में राहुल गांधी के खिलाफ फैसला आने और उसके अगले ही दिन लोकसभा सचिवालय द्वारा राहुल की संसद सदस्यता खत्म किये जाने की घोषणा के बाद देश में राजनीतिक टकराव के आसार बढ़ने लगे हैं। इस मामले ने सभी विपक्षी राजनीतिक दलों को एक मंच पर लाकर खड़ा कर दिया है। हालांकि, इस मामले में जो कुछ भी हुआ, वह नियम-कानून के अनुरूप ही है। लेकिन, इसने राहुल गांधी को संजीवनी जरूर दे दी है। यही वजह है कि कांग्रेस ने इसे अगले लोकसभा चुनाव में भुनाने की कोशिश तेज कर दी है। मजे की बात यह है कि जिस कानून के तहत राहुल गांधी की संसद सदस्यता छिनी है, वर्ष 2013 में वह खुद उन्हीं के हस्तक्षेप से बना था। उस समय की यूपीए सरकार द्वारा इस कानून से राहत दिलाने संबंधी लाये जा रहे अध्यादेश की कॉपी राहुल गांधी ने सार्वजनिक रूप से फाड़ दी थी। लिहाजा, विरोधी ताल ठोंककर यह तर्क दे सकते हैं कि जिस कानून की हिमायत खुद राहुल ने की थी, आज जब उसी कानून की गिरफ्त में वह खुद आ चुके हैं तो फिर वह इतनी हाय-तौब्बा क्यों मचा रहे हैं? लेकिन, अहम सवाल है कि राहुल गांधी के मुद्दे पर एकजुट हो चुका विपक्ष जनता के बीच इसे किस कदर परोसता है और आम लोग इसे किस नजरिये से देखते हैं। हालांकि, अदालत ने सजा पर अमल करने से पहले खुद राहुल गांधी को इसके खिलाफ अपील के लिए 30 दिनों की मोहलत दी है और राहुल गांधी को संसद से अयोग्य करार दिये जाने का यह मामला देश की सर्वोच्च अदालत में पहुंच भी चुका है। राहुल गांधी खुद भी यह कबूल चुके हैं कि अब विपक्ष को एकजुट करने का एक हथियार मिल गया है। सूरत की अदालत द्वारा मानहानि के मामले में राहुल गांधी को दो साल की सजा और उनकी संसद सदस्यता खत्म किये जाने के विरोध में कांग्रेस ने आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है और निशाने पर हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। क्योंकि, लोकसभा सचिवालय ने न्यायालय के फैसले के बाद जिस तरह की जल्दबाजी दिखाई, उस पर सवाल खड़े होना लाजिमी है। कांग्रेस भी इसी बात पर ज्यादा जोर दे रही है। विपक्ष को यह एक बड़ा मुद्दा मिल गया है। यही कारण है कि राजनीति में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दुश्मन गर्जना करने लगे हैं। अब सभी विपक्षी दलों को एकजुट कर 2024 के लोकसभा चुनाव में मोदी को शिकस्त देने की कवायद तेज हो गई है। हालांकि, पूरा विपक्ष कांग्रेस नेतृत्व के साथ आने पर सहमत होगा या नहीं, फिलहाल कहना मुश्किल है। क्योंकि, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और सपा नेता अखिलेश यादव ने कांग्रेस को छोटे दलों को आगे कर साथ आने की नसीहत दी है। विपक्ष एक बार फिर इमरजेंसी की याद दिला रहा है। इनका कहना है कि देश में लोकतंत्र खतरे में है। लेकिन, देश की जनता पर इसका कितना असर होगा, यह तो आने वाले समय में साफ हो सकेगा।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

खालिस्तानी खलनायकों का खुला खेल- एक चुनौती

ब्रिसबेन (ऑस्ट्रेलिया) से
मोद प्रकाश

फोटो साभार - ऑस्ट्रेलिया टुडे

पिछले कुछ महीनों से खालिस्तानी उपद्रवियों द्वारा भारत समेत विश्व के कई शहरों में भारतीय सरकारी दफ्तरों पर हमले किये जा रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया के ब्रिसबेन स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास, इंगलैंड में लंदन स्थित भारतीय दूतावास, लॉस एंजेलेस स्थित भारतीय दूतावास इन सबमें सबसे प्रमुख घटनाएं हैं। ये घटनाएं इस बात से ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाती हैं कि कुछ सप्ताह पहले आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री अलबनीजि और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई द्विपक्षीय वार्ता में प्रधानमंत्री मोदी ने मंदिरों की सुरक्षा की बात को उठाया था और ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री ने इस पर गंभीरता से कार्यवाही करने का आश्वासन दिया था। साथ ही, भारतीय सरकार ने औपचारिक रूप से प्रतिरोध जताया।

इधर, भारत में 'वारिस पंजाब दे' के पूरे संगठन पर देशद्रोह और सामाजिक उपद्रव के मामले को लेकर सैकड़ों गिरफ्तारियां की गई और संगठन के सरगरना अमृतपाल सिंह को भगोड़ा घोषित कर दिया। इन असामाजिक और देशविरोधी ताकतों से सख्ती और सफलता से निपटने में पंजाब पुलिस और भारतीय शासन तंत्र पूरी तरह से सक्षम है और मेरा यह पूरा विश्वास हमेशा रहा है कि सही समय पर उचित कार्यवाही हो ही जाएगी। यह लेख लिखे जाने तक अमृतपाल भगोड़ा है और पुलिस उसे हर जगह खोज रही है। आज नहीं तो कल पुलिस उसे किसी भी हालत में खोज ही लेगी। यहां इस पोस्ट में मैं इस समस्या के अन्य पहलुओं पर बात करना चाहता हूं।

भारतीय जनमानस, सिख समुदाय और भारतीय शासन तंत्र-चाहे राज्य की हो या केन्द्र की, इस बात पर ध्यान दे कि ऐसे अलगाव की मांग उठ क्यों रही है और अगर उठ रही है तो क्या यह सिख समुदाय की मांग है? वही सिख समुदाय, जो सनातन धर्म की रक्षा करने के लिए वीरांगना माताओं द्वारा अपने पुत्रों के बलिदान से बना। माताओं ने अपने पुत्रों को गुरुओं के चरणों में समर्पित कर दिया यह कहकर कि राष्ट्र और धर्म की राह में अगर शहादत होगी तो उनके धरती का कर्ज उतर जाएगा। क्या, वही सिख आज सनातन धर्म का शत्रु हो सकता है? क्या हम गुमराह लोगों को समुदाय से जोड़ रहे हैं?

आस्ट्रेलिया में लगभग दो लाख सिख रहते हैं और इनकी संख्या पूरे भारतीय जनसंख्या की लगभग चौथाई है। इन सिखों में अधिकांश खालिस्तानी विचारधारा का कतई समर्थन नहीं करते हैं। इनमें खालिस्तानी खल प्रवृति वाले बहुत कम हैं, परन्तु इन लोगों ने गुरुद्वारे में एक तरह से कब्जा कर लिया है और वहीं से अपनी उदंडता वाली हरकत करते हैं। इन हरकतों की वजह से बहुतेरे हिन्दुओं ने गुरुद्वारा जाना बन्द ही कर दिया है। 19 मार्च को रेफेरेन्डम में बमुश्किल सौ लोग आए थे।

गत सप्ताह दिल्ली में एक बड़े सिख समुदाय के जत्थे ने ब्रिटेन दूतावास के सामने लंदन में भारतीय दूतावास पर हमले के विरोध में प्रदर्शन किया। सवाल यह है कि क्या इस अलगाववाद को सिख समुदाय का समर्थन मिला हुआ है? अगर नहीं तो वह कौन सी ताकत है, जिससे यह इतना व्यापक प्रतिरोध खड़ा करने में सक्षम हैं?

भारतीय शासन तंत्र को इस पूरे प्रकरण में पाकिस्तानी और अन्य विदेशी ताकतों के हाथ का पता लगाना चाहिए और उन ताकतों को देश में या विदेश में खत्म कर देना चाहिए। पाकिस्तान ने हमेशा आतंकवाद को हथियार के रूप में अपनाया है और आज भी कर रहा है। भारतीय तंत्र को दुनिया के हर कोने में पाकिस्तानी-खालिस्तानी सांठ-गांठ को नेस्तनाबूद कर देना चाहिए।

इसके अलावा, सिख समुदाय को यह आत्मचिंतन करना चाहिए कि उनके गुरुद्वारे में वर्तमान प्रबंधन में क्या बदलाव करने चाहिए, जिससे कि धार्मिक स्थल ऐसे अलगाववाद के लिए इस्तेमाल नहीं हो सकें। आखिर क्या बात है कि अजनाला में गुरु ग्रंथ साहिब की पालकी साहेब से उतारकर पुलिस स्टेशन तक ले गए? क्या बात है कि आस्ट्रेलिया या कनाडा या ब्रिटेन में सारे खालिस्तानी कार्यकलाप गुरुद्वारों से संचालित होते हैं? समाज में इस चिंतन की जरूरत है कि क्या एसजीपीसी आज भी सिख समुदाय की भावनाओं को परिलक्षित करता है? इन चिन्तनों और आत्ममंथन से ही एक दूरगामी समाधान निकलेंगे और खालिस्तानी खलों के खुले खेल का खात्मा होगा।

(लेखक एक अप्रवासी भारतीय हैं।)

शत्–शत् नमन

हिन्दी कविता

देश हो गुलाम जिसका,
क्यों न उसको शर्म हो?
चुप कैसे बैठ सकता?
खून जिसका गर्म हो।।

देश के प्रति सब समर्पित,
देश-हित में कर्म हो।
देश-भक्ति जिसके लिए,
सबसे बड़ा धर्म हो।।

जान अपना दे दिया,
निडर अपने सिंह ने।
'राजगुरु', 'सुखदेव',
और 'भगत सिंह' ने।।

इन शहीदों पर है गर्व,
संग आँखें भी हैं नम।
श्रद्धा-सुमन इनको समर्पित,
है इन्हें शत्-शत् नमन।।

– सुधीर कुमार झा –
कोलकाता

'स्कूल ऑफ एक्सीलेंस' बनेंगे कस्तूरबा विद्यालय

बोले डीसी- जिले के सभी आवासीय विद्यालयों की प्रतिभाओं को दिलाएंगे मंच

इधर, नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय बालिका विद्यालय में बनेगा बैडमिंटन कोर्ट, ओपन जिम भी लगेगा

कस्तूरबा अंतर विद्यालय संगम में पहली बार 400 बेटियों ने दिखाए दमखम

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : जिला प्रशासन की ओर से छात्राओं में खेल प्रतिभा का विकास करने के उद्देश्य से शनिवार को कस्तूरबा अंतर विद्यालय संगम 2023 का आयोजन शहर के सिटी पार्क और मोहन कुमारमंगलम स्टेडियम में किया गया। सिटी पार्क में जिले के उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने इसका विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त कीर्तिश्री, चास के अपर नगर आयुक्त चास अनिल कुमार सिंह, डीपीएलआर मेनका कुमारी सहित अन्य कई अधिकारीगण उपस्थित रहे। उपायुक्त ने खेल की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए सभी प्रतिभागियों के प्रति अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

उपायुक्त ने इस दौरान मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य कस्तूरबा विद्यालयों को उत्कृष्टता प्रदान कर 'स्कूल ऑफ एक्सीलेंस' बनाना है। इसके लिए वाल पेंटिंग के माध्यम से भी बेहतर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने को लेकर प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में विभिन्न खेल, कला, निबंध व अन्य प्रतियोगिताओं के माध्यम से सभी क्षेत्रों में बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिले, इसी सोच के साथ यह आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि सभी की भागीदारी से ही बच्चों में सकारात्मक प्रतिस्पर्धा का विकास संभव है, जो बहुत जरूरी है। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है। डीसी ने बताया कि आने वाले समय में जिले के सभी आवासीय विद्यालयों का वार्षिक खेलकूद आयोजन कर बच्चों को उनकी प्रतिभा निखारकर उचित मंच दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

कस्तूरबा अंतर विद्यालय संगम 2023 में सुबह से शाम तक अलग-अलग प्रकार के स्पोर्ट्स इवेंट्स हुए। इसकी शुरुआत योगाभ्यास सत्र से हुई। छात्राओं ने फुटबॉल, खो- खो, रनिंग (100 मीटर), रनिंग (400 मीटर) रिले, हाई जंप, शॉट पुट, लांग जंप, डिस्कस थ्रो, सेक रेस 50/30 मीटर, कबड्डी, योगा, ऑन द स्पॉट फोटो कांटेस्ट, निबंध-लेखन, पेंटिंग, रंगोली, मेहंदी, प्रदर्शनी, टग ऑफ वार क्विज, कराटे, तीरंदाजी, डिबेट, स्लो साइकिल रेसिंग, मॉक पार्लियामेंट, बोटिंग आदि स्पर्धाओं में जमकर अपने दमखम दिखाए। संध्याबेला में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रतियोगिताओं में जरीडीह के कस्तूरबा विद्यालय को प्रथम स्थान मिला।

नगर के सेक्टर- 2 स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय बालिका विद्यालय में बहुत जल्द ओपन जिम और बैडमिंटन कोर्ट की सुविधाएं होंगी। इसे लेकर जिले के डीसी कुलदीप चौधरी ने दिशा-निर्देश दिया है। उपायुक्त श्री चौधरी एवं उप विकास आयुक्त कीर्तिश्री ने सेक्टर-2 स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय बालिका विद्यालय का निरीक्षण किया। इस क्रम में पदाधिकारियों ने विद्यालय में चल रहे रंग-रोगन एवं मरम्मत कार्य का जायजा लिया। उपायुक्त श्री चौधरी ने विद्यालय के आवासीय भवन में डाइनिंग हॉल के नीचे पत्थर लगाने एवं हैंड वाश लगाने का निर्देश दिया। उन्होंने जिला कल्याण पदाधिकारी मनीषा वत्स को कहा कि विद्यालय में किचन गार्डन बनाने के साथ स्टोर रूम को व्यवस्थित करने एवं छात्राओं के लिए डाइनिंग हॉल के लिए चिन्हित स्थल पर हैंड वॉश की व्यवस्था की जाय। साथ ही, छात्र-छात्राओं के लिए बैडमिंटन कोर्ट, बास्केटबॉल कोर्ट एवं ओपन जिम बनाने का निर्देश दिया गया। उन्होंने ग्रामीण विशेष प्रमंडल विभाग के कार्यपालक अभियंता मृणाल को प्राक्कलन के अनुसार कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया। साथ ही, कार्यरत एजेंसी को रंग-रोग व मरम्मत कार्य को जल्द पूरा करने को कहा। मौके पर जिला कल्याण पदाधिकारी मनीषा वत्स, नोडल पदाधिकारी पंकज दूबे सहित अन्य उपस्थित थे।

प्रोत्साहन डीपीएस बोकारो में दीक्षांत समारोह के साथ पांचवीं कक्षा के विद्यार्थी सम्मानित

स्कूली-जीवन अनमोल क्षण : पीडीजे

संवाददाता

बोकारो : प्राथमिक कक्षाओं में की गई बच्चों की मेहनत को यादगार बनाने और प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दिल्ली पब्लिक स्कूल बोकारो में दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की पांचवीं कक्षा के छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। ग्रेजुएशन सेरेमनी का गाउन पहने लगभग 250 विद्यार्थियों को विधिवत ग्रेजुएट कैप और लाल फीते में लपेटा सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोकारो की प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश (पीडीजे) कुमारी रंजना अस्थाना मौजूद रहीं। अपने संबोधन में बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने इस प्रकार के आयोजन की सराहना की। उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन की यादें साझा करते हुए स्कूल में बिताए गए दिनों को जीवन के अनमोल क्षण बताए। साथ ही, उपस्थित सभी विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के प्रति अपनी शुभेच्छाएं व्यक्त कीं।

विद्यालय के प्राचार्य डॉ. एएस गंगवार ने कहा कि डीपीएस बोकारो प्रारंभिक कक्षाओं से ही बच्चों को ऐसी शिक्षा प्रदान करता है, जिससे कि उनका समग्र विकास हो सके। 21वीं सदी की मांग के अनुरूप विद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मुहैया कराने के साथ-साथ बच्चों की हर विधा को तलाशने और तराशने के प्रति कटिबद्ध है। उन्होंने सम्मानित किए गए बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें एक जिम्मेदार, सहृदयी और एक सृजनशील नेतृत्वकर्ता बनने का संदेश भी दिया। उन्होंने उपस्थित अभिभावकों से अपने बच्चों पर अपना समय जरूर देने की अपील की। यह बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक है और आपसी भावनाओं को भी मजबूत बनाता है। इसके पूर्व, मुख्य अतिथि का पौधा भेंटकर स्वागत किया गया और दीप-प्रज्वलन से समारोह की शुरुआत हुई।

इसके बाद विद्यालय के नन्हें छात्र-छात्राओं ने अपनी मनोहारी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। स्वागत गान व विद्यालय गीत के बाद गणेश-वंदना और प्रगति-पथ पर चलने का संदेश देते गीत 'हौसलों की उड़ान...' पर प्रेरणाप्रद नृत्य प्रस्तुत कर उन्होंने सबकी भरपूर सराहना पाई। प्राचार्य ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। समारोह का समापन राष्ट्रगान से हुआ। पूरे आयोजन के दौरान बच्चों का उत्साह देखते ही बन पड़ रहा था।

सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के क्षेत्र में बीएसएल को पुरस्कार

संवाददाता

बोकारो : रांची में हाल ही में आयोजित 74वें ज्वाइंट कमेटी ऑन सेफ्टी, हेल्थ एंड एनवायरनमेंट के वार्षिक सम्मेलन में कैलेंडर वर्ष 2020 एवं 2021 के दौरान शून्य घातक दुर्घटना के लिए बोकारो स्टील प्लांट के कोल, कोक, एवं केमिकल, रोलिंग मिल्स, परियोजनाएं तथा सेंट्रलाइज्ड मेंटेनेंस, यूटिलिटीज, सर्विसेज, रेल एंड रोड ट्रैफिक जोन तथा कैलेंडर वर्ष 2021 एवं 2022 के दौरान शून्य घातक दुर्घटना के लिए क्रमशः इस्पात सुरक्षा पुरस्कार -2022 एवं इस्पात सुरक्षा पुरस्कार -2023 से नवाजा गया है। इसी प्रकार बीएसएल के झारखंड ग्रुप ऑफ माइंस को कैलेंडर वर्ष 2021 में शून्य घातक दुर्घटना के लिए इस्पात सुरक्षा पुरस्कार -2022 तथा कैलेंडर वर्ष 2022 में शून्य घातक दुर्घटना के लिए इस्पात सुरक्षा पुरस्कार -2023 से सम्मानित किया गया है। एक कार्यक्रम में झारखंड ग्रुप ऑफ माइंस के अधिशासी निदेशक (माइंस) जे दासगुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक (ऑपरेशंस) सुधीर शर्मा, महाप्रबंधक (आर पी एंड ई एंड सेफ्टी) एम के टी पी दत्ता तथा सहायक महाप्रबंधक (ई एंड एल) श्रीमती हीना परवीन ने बीएसएल के निदेशक प्रभारी अमरेन्दु प्रकाश से मुलाकात कर उन्हें इस उपलब्धि से अवगत कराया। साथ ही, ज्वाइंट कमिटी ऑन सेफ्टी, हेल्थ एंड एनवायरनमेंट के वार्षिक सम्मेलन में प्राप्त अपने अनुभव को साझा किया।

एक अन्य कार्यक्रम में इस्पात सुरक्षा पुरस्कार प्राप्त करने वाली बीएसएल के विभिन्न विभागों की टीम ने अधिशासी निदेशक (संकार्य) बी के तिवारी से भेंट कर उन्हें इस उपलब्धि से अवगत कराया। इस उपलब्धि के लिए निदेशक प्रभारी तथा अधिशासी निदेशक (संकार्य) ने बीएसएल एवं झारखंड ग्रुप ऑफ माइंस की टीमों को बधाई दी है।

डीवीसी चंद्रपुरा में वेंडर मीट के दौरान कार्यपालक निदेशक बोले-

1000 एमवी बिजली बनाएगा डीवीसी

संवाददाता

चंद्रपुरा : दामोदर घाटी निगम, चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र प्रबंधन द्वारा यहां के प्रशिक्षण संस्थान के हॉल में वेंडर मीट कार्यक्रम संपन्न हो गया। कार्यक्रम का उद्घाटन डीवीसी के कार्यपालक निदेशक (परिचालन) संजय कुमार घोष, मुख्य अभियंता एवं परियोजना प्रधान सुनील कुमार पांडेय, ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर सुब्रतो मंडल, मुख्य अभियंता देवब्रत दास, पवन कुमार मिश्रा, पीसी साहू, प्रभाकर जेना आदि ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कार्यपालक निदेशक संजय कुमार घोष ने कहा कि डीवीसी अपने कार्यकाल में चुनौतियों का सामना करते हुए अपनी बुलंदी की मंजिल की ओर आगे बढ़ रहा है। आने वाले समय में डीवीसी 15000 मेगावाट विद्युत उत्पादन करने का लक्ष्य को अवश्य पूरा करेगा। उन्होंने कहा कि डीवीसी अपनी बुलंदियों को छूने के लिए सभी के सहयोग से आगे बढ़ रहा है। इसमें डीवीसी में वेंडर की भूमिका अहम है। घोष ने कहा कि इधर हाल ही में भारत सरकार और अन्य संवैधानिक संस्थाओं द्वारा डीवीसी को उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कृत किया गया है। अगर सभी का सहयोग मिला तो डीवीसी भारतवर्ष में नंबर एक का बिजली उत्पादक संस्थानों में गिनती की जाएगी। उपस्थित अधिकारियों और वेंडरों से उन्होंने सामंजस्य स्थापित कर कार्य करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जेम पोर्टल के तहत आने वाले दिनों में डीवीसी का संपूर्ण कार्य का निपटारा किया जाएगा और सरकार के हर नियम कानून का अनुपालन समय के अनुसार किया जाएगा, इसके लिए हम सभी को तैयार हो जाना चाहिए।

अपने संबोधन में मुख्य अभियंता एवं परियोजना प्रधान सुनील कुमार पांडेय ने कहा कि डीवीसी हर कानून प्रक्रिया का अनुपालन करने के लिए तैयार हैं, इसके लिए हम सभी को सामंजस्य स्थापित कर काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि डीवीसी के विकास में वेंडर की भी अहम भूमिका है। समारोह को मुख्य अभियंता देवब्रत दास, पीके मिश्रा, पीसी साहू, प्रभाकर जेना आदि ने भी संबोधित किया। समारोह का संचालन शालिनी गुप्ता, सुजाता कुमारी ने किया। वेंडर मीट में सुधीर कुमार, राजीव रंजन कुमार ने जेम पोर्टल के कार्यप्रणाली पर विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई। समारोह में सभी अतिथियों को गुलदस्ता भेंटकर उन्हें स्वागत किया गया। समारोह में उपस्थित विद्यानंद नंदकुलियार, बीके सिंह आदि ने अपनी समस्याओं को प्रबंधन समक्ष प्रकट किया। समारोह में प्रमोद कुमार झा, प्रफुल्ल भंडारी, विनोद दुबे, प्रवीण कुमार सिंह, रूना राय, मोहम्मद जमाल, अविनाश कुमार यादव सहित सैकड़ों वेंडर मौजूद थे।

अब स्कूलों में ही सस्ती दर पर बच्चियों को मिलेंगे सैनिटरी पैड

संवाददाता

बोकारो : नेतरहाट पूर्ववर्ती छात्र संगठन ग्लोबल सोशल रेस्पोंसिबिलिटी (नोबा जीएसआर) द्वारा शुरू की गई मुहिम संगिनी आज लाखों लड़कियों के लिए मददगार साबित हो रही है। इसी पहल के तहत बिहार और झारखंड राज्य के करीब 400 गांवों में नोबा जीएसआर की मुहिम संगिनी तथा भारतीय स्टेट बैंक के संयुक्त तत्वावधान में सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन के माध्यम से सस्ते दरों में सैनिटरी पैड उपलब्ध कराई जा रही है। इन सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीनों को बोकारो इस्पात सीनियर सेकेंडरी स्कूल-2 सी, बोकारो इस्पात सीनियर सेकेंडरी स्कूल-8 बी, बोकारो स्टील बालिका विद्यालय- 9 बी, बोकारो इस्पात कल्याण विद्यालय- 3 डी तथा मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल, सेक्टर-4 में लगाया गया है।

बोकारो इस्पात सीनियर सेकेंडरी स्कूल-2 सी के परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में महाप्रबंधक (शिक्षा) श्रीमती मीनम मिश्रा, एसबीआई के क्षेत्रीय प्रबंधक कौशिक कुमार तथा नोबा जीएसआर के सदस्यों पूर्व अधिशासी निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ जी एन साहू, पूर्व महाप्रबंधक, बीएसएल वशिष्ठ नारायण, पूर्व उप महाप्रबंधक, बीएसएल एस एन झा द्वारा संयुक्त रूप से सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन एवं इंसुलेटर का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर उपमहाप्रबंधक (कार्मिक) अविनाश कुमार झा, एसबीआई सेक्टर-4 के चीफ मैनेजर, अन्य स्कूलों के प्राचार्य, नोबा के सदस्य रामनिवास, ऋषभ सहित विद्यालय के शिक्षक एवं कर्मी उपस्थित थे।

संकल्प गर्ग-गंगा की रक्षा को लेकर संघर्ष का निर्णय, जनसहयोग की अपील

गरगा कर रही पुकार, बंद करो प्रदूषण की मार...

संवाददाता

बोकारो : गरगा नदी कर रही पुकार, बंद करो प्रदूषण की मार... की मार्मिक अभिव्यक्ति के साथ विश्व जल दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण संस्थान द्वारा चास-बोकारो के बीच स्थित गरगा पुल स्थित गरगा नदी (गर्ग-गंगा) तट पर गरगा बचाओ संकल्प सभा का आयोजन किया गया। सभा की अध्यक्षता संस्थान के अध्यक्ष सुरेंद्र पांडेय ने की तथा संचालन उपाध्यक्ष अखिलेश ओझा ने किया। इस अवसर पर संस्थान के महासचिव शशि भूषण ओझा 'मुकुल' ने उपस्थित समाजसेवी पर्यावरण प्रेमियों को संबोधित करते हुए कहा कि बोकारो इस्पात संयंत्र और चास नगर निगम को अपने क्षेत्र के गंदे नालों का गरगा नदी में सीधा प्रवाह बंद करना ही होगा, क्योंकि चास बोकारो की जनता अब अपनी इस जीवन रेखा गरगा नदी को बचाने के लिए जग चुकी है। अगर इसे इस्पात संयंत्र और नगर निगम इसे प्रदूषित करना नहीं बंद करता है तो संस्थान इसके विरुद्ध कानूनी लड़ाई भी लड़ेगा।

इस अवसर पर बोकारो चेम्बर ऑफ कॉमर्स के संरक्षक संजय बैद ने कहा कि चैंबर पूरी तरह इस लड़ाई में संस्थान के साथ रहेगा तथा इस नदी को बचाने हेतु हर संभव मदद करेगा। समाजसेवी प्रो. आर डी उपाध्याय ने चास और बोकारो के लोगों को इस नदी को बचाने हेतु आगे आने का आह्वान किया। - गरगा की रक्षा कौम करेगा, हम करेंगे हम करेंगे, के गगनभेदी उद्घोष के साथ ही इस आंदोलन को तीव्र करते हुए निर्णायक बनाने का निर्णय लिया गया।

हफ्ते की हलचल

शहीदों की स्मृतियां जीवंत रखने की जरूरत : तरसेम

बोकारो : गुरु गोबिंद सिंह एजुकेशनल सोसायटीज टेक्निकल कैंपस की ओर से आयोजित शहीद दिवस कार्यक्रम में शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के साथ सभी शहीदों के बलिदानों को याद किया गया।आयोजन का शुभारंभ मुख्य अतिथि व संस्थान के अध्यक्ष तरसेम सिंह एवं सचिव सुरेंद्र पाल सिंह द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ और छात्र रोहित ने सबद-गान किया। कालेज निदेशक डा. प्रियदर्शी जरूहार ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि आज यदि भारत विश्व में पांचवें स्थान पर है, तो उसकी इस प्रगति की नींव हमारे शहीदों के बलिदानों से पड़ी है। अध्यक्ष तरसेम सिंह ने देश के स्वतंत्रता आंदोलन के शहीदों की स्मृति को सदा जीवित रखने की बात पर जोर दिया। सचिव ने शहीदों के बलिदानों से युवाओं को सीखने और प्रेरणा लेने की नसीहत दी। छात्रा राम्या ने शहीद दिवस पर भाषण दिया। छात्रा प्रतिभा कुमारी ने मंच का संचालन किया। आयोजन में छात्र, प्राध्यापक-गण व कर्मचारी-गण लगभग 100 की संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन डा. ए पी बर्णवाल ने किया।

बोकारो थर्मल में धूमधाम से मना प्रकृति पर्व सरहुल

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित जाहेर थान में आदिवासी सरना समिति के तत्वावधान में प्रकृति पर्व सरहुल का आयोजन हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ किया गया। जाहेर थान में मुख्य पाहन शिवनाथ किस्कू, राम प्रसाद सोरेन, विनोद मुर्मू, करमचंद मांझी एवं मोती राम मुर्मू के द्वारा परंपरागत तरीके से पूजा अर्चना की गयी। मौके पर आयोजित समारोह में बतौर मुख्य अतिथि डीवीसी के स्थानीय प्रोजेक्ट हेड एनके चौधरी ने कहा कि जल, जंगल, जमीन को बचाना हम सबका कर्तव्य है, इसके लिए प्रकृति की रक्षा करना भी आवश्यक है। सरहुल पर्व हमें यही सीख देता है कि पर्यावरण से ही हमारा अस्तित्व जुड़ा हुआ है। मौके पर सरहुल पूजा कमेटी के अध्यक्ष ध्रुवा मांझी, सचिव जी लकड़ा, जॉय मुंडा, अरमो के पूर्व मुखिया मनीराम मांझी, झरीलाल हांसदा, मोतीलाल बेसरा, जोधन बास्के, रीतलाल महतो, जहरु उरांव, अनिल घांसी, हेमलता किस्पोट्टा, प्रभा टोप्पो, सुनीता मिंज सहित काफी संख्या में लोग शामिल हुए।

डीपीएस चास में अनुस्थापन सत्र का आयोजन

बोकारो : दिल्ली पब्लिक स्कूल चास के सभागार में नव-नामांकित विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों को नए परिसर व नए माहौल से परिचय कराने के उद्देश्य से ओरिएंटेशन प्रोग्राम (अनुस्थापन सत्र) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में चीफ मेंटर डॉ. हेमलता एस मोहन, प्रभारी प्रधानाचार्या दीपाली भुस्कुटे, शिक्षक और अभिभावक उपस्थित थे। कार्यक्रम में अभिभावकों के साथ उपयोगी संवादात्मक सत्र का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों और अभिभावकों को विद्यालय की उन पहलों और प्रयासों से अवगत कराया गया, जिसमें नई शिक्षा नीति के अंतर्गत समग्र शिक्षा के नियमों और विनियमों को शामिल किया गया था। चीफ मेंटर डॉ हेमलता एस मोहन ने कहा कि माता-पिता घर में शिक्षक होते हैं। वे बच्चों के अनुशासन पर विशेष ध्यान दें। कार्यक्रम को प्रभारी प्रधानाचार्या दीपाली भुस्कुटे ने भी संबोधित किया।

जरीडीह बाजार में लगा प्रखंडस्तरीय स्वास्थ्य मेला

बेरमो : बेरमो पीएचसी जरीडीह बाजार में प्रखंडस्तरीय स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया। उद्घाटन बेरमो बीडीओ मधु कुमारी, जिप सदस्य ओमप्रकाश सिंह, झामुमो नेता अनिल अग्रवाल, विधायक प्रतिनिधि उत्तम सिंह, सांसद प्रतिनिधि मुकेश चौरसिया, प्रखंड बीस सूत्री उपाध्यक्ष कृष्ण चांडक, मुखिया देवंती देवी, सीमा महतो सहित अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। बीडीओ ने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए ग्रामीणों को भी जागरूक रहने की जरूरत है। योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचे, सरकार का भी यही लक्ष्य है। स्वास्थ्य मेला का मुख्य उद्देश्य यही है कि ग्रामीण स्वस्थ रहे। अनिल अग्रवाल, कृष्ण चांडक ने कहा कि हेमंत सरकार प्रत्येक क्षेत्रों में बेहतर कार्य कर रही है विकास कार्यों के अलावा ऐसे शिविर लगाकर ग्रामीणों को सीधे तौर से लाभ पहुंचाया जा रहा है जो अच्छी पहल है। कार्यक्रम का संचालन अवधेश यादव ने किया। मौके पर संतोष महतो, नरेश महतो, राजेश महतो, स्वास्थ्य कर्मी प्रदीप कुमार, भावेश मिश्रा, रितेश कुमार, अनिल मिश्रा, रंजीत कुमार, सुशील कुमार, विकास आदि मौजूद रहे।

सियासत... हेमंत सरकार को घेरेगी भाजपा, प्रमंडलीय बैठक में बोले पूर्व सीएम बाबूलाल-

झारखंड में केवल लुटेरों-भ्रष्टाचारियों का हुआ विकास

11 अप्रैल को सचिवालय कूच करेंगे भाजपाई

संवाददाता

बोकारो : राज्य की हेमंत सरकार को भाजपा एक बार फिर घेरने की तैयारी में है। बोकारो में पार्टी की उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडलीय बैठक के दौरान इसकी रणनीति तैयार की गई। सेक्टर-1 स्थित हंस मंडप में सम्पन्न आयोजित बैठक का आरंभ केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा यादव, धनबाद के सांसद पशुपति नाथ सिंह, राज्यसभा सांसद आदित्य साहू, मांडू के विधायक जयप्रकाश भाई पटेल आदि ने दीप प्रज्वलन व पुष्पार्चन के साथ किया। बैठक में उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के बोकारो, धनबाद, गिरिडीह, रामगढ़, हजारीबाग, कोडरमा, धनबाद ग्रामीण के सभी प्रदेश पदाधिकारी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, मोर्चा पदाधिकारी, जिला प्रभारी, जिला अध्यक्ष, मोर्चा अध्यक्ष, बूथ सशक्तिकरण की जिला टोली, राष्ट्रपति अभिभाषण की जिला टोली, मंडल अध्यक्ष एवं महामंत्री उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने झारखंड की वर्तमान सरकार को सभी मोर्चों पर विफल बताया। उन्होंने कहा कि चाहे वह युवा व किसान वर्ग हो या महिला वर्ग, सभी इस सरकार से नाखुश हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने किये गए चुनावी वादों को पूरा करने में विफल साबित हुए हैं। इनके कार्यकाल में विकास हुआ तो सिर्फ खनिज संपदा लूटने वालों और भ्रष्टाचारियों का। अपराधियों और भ्रष्टाचारियों के खौफ से जनता में भय का माहौल है। सत्ताधारी दल के कई विधायकों ने खुद ही सरकार के क्रियाकलापों पर सदन हो या सदन के बाहर सवाल उठाया है।

श्री मरांडी ने कहा कि लूट, भ्रष्टाचार, खनिज संपदा की लूट आदि मुद्दों पर झारखंड प्रदेश भाजपा की ओर से 11 अप्रैल को सचिवालय के समक्ष विशाल प्रदर्शन किया जायेगा। इस प्रदर्शन में झारखंड के सभी जिलों से भाजपा कार्यकर्ता सचिवालय में कूच करेंगे। बैठक में भाजपा के प्रदेश महामंत्री आदित्य साहू ने जिलावार जिला अध्यक्षों से संगठन के कार्यों की मण्डलवार जानकारी ली। साथ ही आगामी लोकसभा व विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया।

बैठक में हजारीबाग के पूर्व सांसद डॉ. (प्रो.) यदुनाथ पांडेय, गिरिडीह के पूर्व सांसद रविन्द्र पांडेय, पूर्व मंत्री व विधायक अमर बाउरी, विधायक मनीष जायसवाल, नीरा यादव, अपर्णा सेन गुप्ता, ढुल्लू महतो, राज सिन्हा, केदार हाजरा, निर्भय शाहाबादी, नागेंद्र महतो, योगेश्वर महतो बाटुल, सरोज सिंह, लक्ष्मण सिंह, मनोज यादव, गणेश मिश्रा, योगेंद्र प्रताप, विनय लाल, रोहितलाल सिंह, हरिप्रकाश लाटा, शशिभूषण ओझा, रमा सिन्हा, ऋतुरानी सिंह, अर्चना सिंह, जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर सिंह, अशोक यादव, राज रंजन सिन्हा, महादेव दुबे, दिलीप श्रीवास्तव, कमलेश राय, अर्चना सिंह, लीला देवी, अनिल स्वर्णकार, संजय त्यागी, जयदेव राय, विक्रम पांडेय, जयनारायण मरांडी, गौर रजवार, अशोक कुमार पप्पू, माथुर मंडल, महेन्द्र राय, अतानु चौधरी, राघवेंद्र सहित बड़ी संख्या में भाजपा नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राज्य में क्षेत्रीय सिनेमा को मिलेगा बढ़ावा

चित्रपट झारखंड फिल्म फेस्टिवल जून में, 100 से अधिक फिल्में होंगी प्रदर्शित

देवेंद्र शर्मा

रांची : चित्रपट झारखंड के द्वारा आगामी 23, 24 एवं 25 जून 2023 को चित्रपट झारखंड फिल्म फेस्टिवल आयोजित होने जा रहा है, जिसमें राज्यभर से लगभग 100 से भी अधिक फिल्मों का प्रदर्शन होना निश्चित किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य क्षेत्रीय सिनेमा को बढ़ावा देना है। झारखंड में बन रहीं फिल्मों को एवं निमार्ताओं को यहां की ऐतिहासिक एवं पौराणिक संस्कृति को पूरे विश्वपटल पर प्रदर्शित करने के लिए एक साझा मंच तैयार किया जा रहा है।

वहीं, फिल्म विधा के माध्यम से राज्य के विभिन्न क्षेत्रों की सांस्कृतिक परंपराओं एवं सामाजिक आधार बनाकर देश की एकता, अखंडता एवं सामाजिक सद्भाव, वसुधैव कुटुंबकम की ओर अग्रसर करना है। उक्त विषय से संबंधित पोस्टर विमोचन सह चित्रपट झारखंड का वेबसाइट लोकार्पण रांची स्थित होटल रेडिसन ब्लू में किया गया।

फिल्म फेस्टिवल में जो भी फिल्म निर्माता भाग लेंगे उन्हें झारखंड राज्य से संबंधित होना चाहिए। जो भी फिल्म निर्माता अपनी फिल्म को फिल्म फेस्टिवल में भेजना चाहते हैं, वे चित्रपट झारखंड की वेबसाइट पर अपना ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करा लें। फिल्म गूगल ड्राइव लिंक या पेनड्राइव के माध्यम से ही भेजी जा सकती है। फिल्म जमा करने की अंतिम तिथि 15 मई 2023 मध्यरात्रि रखी गई है। प्रदर्शित होने वाली फिल्मों का विषय जनजातीय समाज, वोकल फॉर लोकल, ग्रामीण विकास, पर्यावरण, रोजगार सृजन, झारखंड स्वतंत्रता संग्राम, झारखंड का इतिहास, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक सद्भाव, भविष्य का भारत तय किया गया है।

माय, माटी और भाषा के उत्थान में अहम कदम

चित्रपट झारखण्ड के अध्यक्ष नन्द कुमार सिंह ने विषय प्रवेश करते हुए कहा कि झारखण्ड की भाषा, संस्कृति और कला को फिल्मों के माध्यम से आगे बढ़ाने और मनोरंजन के क्षेत्र में रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए चित्रपट झारखण्ड का गठन किया गया है। इस अवसर पर बोलते हुए प्रसिद्ध अभिनेता और फिल्म निर्देशक नन्दलाल नायक ने कहा कि साढ़े तीन करोड़ की आबादी वाले राज्य में मनोरंजन उद्योग की उपस्थिति नगण्य है। माय, माटी और भाषा के उत्थान के लिए चलचित्र निर्माण की दिशा में यह पहल स्वागत योग्य है। प्रसिद्ध समाजसेवी नन्दिनी गुप्ता ने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि समाज में ऐसी गतिविधि जीवंतता की पहचान है। मुम्बई में रहकर फिल्म सम्पादन के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने वाले दिलीप कुमार देव ने कहा कि जून में आयोजित होनेवाले इस फिल्म उत्सव में जनजातीय विषय स्वागतयोग्य हैं। इसमें झारखण्डी भाषाओं की म्युजिक विडियो को भी सम्मिलित करना श्रेष्ठ होगा। मौके पर प्रकाश चौधरी, गोपाल झा, दिलीप कुमार देव, चित्रपट झारखंड के मीडिया प्रभारी डॉ प्रो.दीपक प्रसाद, चार्टर्ड अकाउंटेंट सुमित मित्तल, निरंजन कुमार और कार्यक्रम के संचालक राकेश रमण उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में सीतामढ़ी की बालिका टीम का उत्कृष्ट प्रदर्शन

सतीश कुमार झा

सीतामढ़ी : राज्य स्तरीय तरंग प्रतियोगिता में सीतामढ़ी जिला कबड्डी की बालिका टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। राज्य स्तर पर प्रतिनिधित्व कर जिले की टीम चैंपियन बनी। टीम ने जिलाधिकारी से मुलाकात की, जिसमें रूबी कुमारी, कप्तान सुहानी कुमारी, सुंदर कुमारी, अदिति कुमारी ,शिवानी कुमारी, प्रियांशु कुमारी, अंजली कुमारी, काजल कुमारी, रंजना कुमारी, सिम्मी कुमारी तथा कोच मेनका कुमारी शामिल थीं। जिलाधिकारी से मुलाकात के बाद टीम की खिलाड़ियों ने हर्ष व्यक्त किया। वहीं, जिलाधिकारी ने सभी खिलाड़ियों की हौसला अफजाई करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

गोपाल बने वार्ड सदस्य के प्रखंड अध्यक्ष

मिथिला डायरी

बोखड़ा (सीतामढ़ी) : बोखड़ा प्रखंड के सिंगाचौरी पंचायत भवन में प्रखंड स्तरीय वार्ड सदस्य के अध्यक्ष पद के लिए गोपाल सहनी को सर्वसम्मति से निर्विरोध चुन लिया गया। इस बावत राज्य से आये रामप्रवेश यादव, जिला अध्यक्ष विजय कुमार पासवान के नेतृत्व में सभी वार्ड सदस्यों की एक बैठक बुलायी गई। बैठक में संगठन को मजबूत करने के लिए एक अध्यक्ष का होना जरूरी होने का प्रस्ताव आया। इस आलोक में गोपाल सहनी सर्वसम्मति से वार्ड सदस्य का प्रखंड अध्यक्ष निर्विरोध चुन लिया गया। साहनी ने सभी वार्ड सदस्यों को आश्वासन दिया कि वार्ड सदस्य की किसी भी समस्या के समाधान को लेकर वह पीछे नहीं रहेंगे। मौके पर उदय कुमार, कामदेव पासवान, जयकांत राम, अशोक कुमार, उमाशंकर साह, सिकंदर मंडल, शांति देवी, संजय मंडल, मोहन साह, राजीव आदि मौजूद रहे।

भगवान राम का जीवन आदर्श का प्रतीक

- गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली

इस जगत में प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन काल में किसी नायक की खोज में रहता है, जिसकी वह आराधना कर सके, जिसे अपना आराध्य बना सके। ऐसा ही आदर्श व्यक्तित्व प्रभु श्रीराम श्रीराम का भी है, जिनके पद चिन्हों पर चलकर प्रत्येक व्यक्ति इस भवसागर को पार कर सकता है। भगवान राम का जीवन आदर्श का प्रतीक है। कहा जाता है कि- जिसने राम को जान लिया, उसने सब कुछ जान लिया। श्री राम का जीवन एक ऐसा शास्त्र है, जिस पर हर मानव का अधिकार है।

श्रेष्ठ विचारों से श्रेष्ठ चरित्र का निर्माण : जीवन में श्रेष्ठ विचारों का निर्माण श्रेष्ठ चरित्र से ही हो सकता है। भगवान श्रीराम के विचारों को आत्मसात कर मनुष्य अपना सर्वांगीण विकास कर सकता है। श्रीराम के बारे में, सिया के राम के बारे में कुछ शब्दों में वर्णन संभव ही नहीं है। राम तो राम है, जो मरा का विपरीत है। जो जीवित है, जीवंत है, वह राम का ही स्वरूप है। इस सृष्टि में सब में राम ही है, राम ही सर्वव्यापक हैं।

राम भी युद्ध करते हैं, इसीलिए तुलसी कहते हैं कि राम रणभूमि में जितने तीव्र और कर्कश हैं, उतने ही मृदु और अभिराम हैं। इसीलिए राम को केवल एक अवतारी पुरुष और भगवान ही मत मानो। राम शब्द नहीं, मनुष्य जीवन का भाव है। हम किसी का स्वागत करते हैं तो 'राम राम' बोल देते हैं किसी से चिढ़ जाते हैं तो अच्छा भाई और 'राम राम' बोल देते हैं। राम भाव है। इसीलिए कोई भक्त राम को प्रत्येक कण में देखता है, तो किसी के तन, मन और चेतन में राम बसे हैं।

संसार के सभी प्राणियों के लिए आदर्श : जीवन का सबसे बड़ा शब्द है- मर्यादा और राम को कहा गया है- मर्यादा पुरुषोत्तम। वह संसार के सभी प्राणियों के लिए आदर्श हैं। उनके बाद न तो कोई मर्यादा पुरुषोत्तम हुआ और न ही होगा। इस संसार चक्र में राम ने अवतार लिया। त्रेता युग में इक्ष्वाकु वंश में राम के भी हजारों पूर्वज हुए और आगे निश्चित रूप से उनकी वंश परंपरा भी चल रही है। पर राम जैसा न कोई हुआ है और न कोई होगा। राम तो इस तरह से हमारे जन-जीवन में बसे हैं कि पूरे भारतवर्ष में हजारों हजार स्थान राम के नाम पर हैं। कहीं रामगंज है तो कहीं रामपुर, कहीं रामगढ़ तो कहीं रामनगर।

जहां राम हैं, वहां सब कुछ सुन्दर : यह भी जान लो कि राम धनी-निर्धन, ज्ञानी-अज्ञानी, विद्वान-निरक्षर, स्त्री-पुरुष, वृद्ध-युवा सभी के आराध्य हैं। छत्तीसगढ़ में तो एक पूरी जनजाति रामनामी संप्रदाय है। इस संप्रदाय से जुड़े लोग अपने शरीर पर राम नाम गुदवा देते हैं, राम नाम लिखे कपड़े धारण करते हैं, घर की दीवारों पर राम-राम लिखवाते हैं और एक-दूसरे को राम-राम कहकर ही बुलाते हैं। व्यक्ति देखना चाहे तो प्रकृति में हर जगह, मनुष्य में, वृक्षों में, जीव-जंतुओं में, सब में राम ही राम है। राम के लिए क्या उपमा आई है 'अभिराम'। अभिराम का अर्थ है- सुन्दरता। तो जहां राम है, वहां सब कुछ सुन्दर है। महत्वपूर्ण बात यह है कि तन की सुन्दरता से ज्यादा जरूरी है मन की सुन्दरता।

मन की सुन्दरता को मलिन करता है अहंकार : निश्चित रूप से मन की सुन्दरता है अभिराम। विचार कीजिए कि मन की सुन्दरता को कौन मलिन कर सकता है? मन की सुन्दरता को मलिन कर देता है- व्यक्ति का अहंकार। जहां 'मैं' है, वहां राम नहीं, जहां राम है, वहां 'मैं' नहीं। मन को सुन्दर बनाना है तो करो निरन्तर राम का जप। क्योंकि राम है अहंकार का नाशक और जिसने भी इस जगत में अहंकार किया, उसका दुखद अंत ही हुआ। हम सबके सामने ज्वलंत उदाहरण है- रावण। उसे ही तो अहंकार की पराकाष्ठा कहते हैं। पर विशेष बात यह है कि हर साल दशहरे, विजयादशमी के दिन रावण को हम जलाते हैं, अन्त्येष्टि करते हैं। सामान्य मनुष्य तो एक बार जीता है और एक बार मरता है। एक बार जलाने के पश्चात हम कह देते हैं कि यह विलीन हो गया, समाप्त हो गया, तो फिर रावण को हम हर साल क्यों जलाते हैं? किसी भी व्यक्ति की अंतिम तिथि का तो वार्षिक उत्सव नहीं होता है।

विचारणीय बात यह है कि रावण अमर है, जो हर साल पुनः जी जाता है और फिर उसे हमारे राम द्वारा प्रतिवर्ष अग्निबाण द्वारा पुनः जलाया जाता है। ऐसा क्यों?

ऐसा है कि रावण था तपस्वी और उसे ब्रह्मा द्वारा अमृत्व का वरदान प्राप्त हुआ। वह सिर्फ किसी मनुष्य के हाथों मारा ही नहीं जा सकता था, क्योंकि उसकी नाभि में अमृत कलश था।

जीवन का मूल सूत्र है- मृत्योर्मा अमृतम् गमय...। हम मृत्यु से अमृत की ओर बढ़े तो इसका सीधा अर्थ क्या हुआ कि अमृत मृत्यु पर हावी रहता है। जहां अमृत है, वहां मृत्यु नहीं आ सकती। इसलिए अमृत की एक बूंद कण भी रह गई होगी, इसीलिए रावण मरकर भी हर साल जीवित हो जाता है। जीवित हो जाता है, तभी तो हम उसे पुनः जलाते हैं।

रावण का अर्थ है अनियंत्रित महत्वाकांक्षा

आध्यात्मिक भाषा में रावण का अर्थ है- मन का अहंकार, अनियंत्रित महत्वाकांक्षा। रावण का पूरा जीवन अहंकार और अनियंत्रित महत्वाकांक्षाओं का स्वरूप है। रावण है दशानन। अर्थात 10 सिर और जब उसने तप किया तो उग्रतम तप किया, जीवन में युद्ध लड़े तो सब में विजय प्राप्त की, यहां तक कि ग्रह-नक्षत्रों को भी बंदी बना लिया। केवल अपने लिए ही नहीं, बल्कि पूरी लंका बना दी सोने की। इतना अभिमान कि मुझे कोई पराजित नहीं कर सकता, इतनी महत्वाकांक्षा की पूरे ब्रह्मांड को मैं विजित कर दूं। इतनी महत्वाकांक्षा की शिव को कैलाश से लंका में लाने का दुस्साहस कर बैठा और कितनी विचित्र बात है कि राम जब वनवास घूम रहे थे, तो रावण अपने पुष्पक विमान से घूम रहा था।

तो यह ईश्वरीय लीला है कि राम के द्वारा रावण का नाश हुआ। कहने को भले ही रावण का नाश हो गया, लेकिन रावण जीवित है। किसी भी रावण अर्थात महत्वाकांक्षा को, अहंकार को पूर्ण रूप से समाप्त नहीं किया जा सकता है। अहंकार को, महत्वाकांक्षा को हम भस्मीभूत दैवीय शक्तियों से अवश्य कर देते हैं। लेकिन, जो मन के भीतर है, उसे भस्मीभूत कैसे करें? उसे पूर्ण रूप से समाप्त कैसे करें? उसे पराजित कैसे करें? यदि हम अपने अहंकार और महत्वाकांक्षाओं से निरंतर और निरंतर युद्ध करते रहे तो वे और अधिक व्यापक होती रहेगी। किसी न किसी दूसरे रूप में प्रकट होती रहेगी।

राम नाम सत्य है, यह जीवन के अंत में भी कहा जाता है, जीवन भर भी राम-राम कहा जाता है। अतः राम जीवन में भी हैं और जीवन के बाद भी हैं। ठीक उसी प्रकार अहंकार और अनियंत्रित महत्वाकांक्षा है, जो हर समय विद्यमान रहती है। परंतु उन पर विजय राम ही दिलवा सकते हैं।

मनुष्य अपने अहंकार और महत्वाकांक्षाओं से लड़े नहीं, उन्हें स्वीकार कर ले कि हां! मेरा अहंकार अनुचित है। जब आपका मन इस बात को स्वीकार कर लेता है तो आप अपनी भावनाओं पर नियंत्रण कर लेते हैं और आपके भीतर का राम जागृत हो जाता है।

राम नाम की पवित्रता आपका रक्षा कवच

है ना बड़ी विचित्र बात? राम और रावण दोनों के नाम 'रा' से शुरू होते हैं। राम में भी अग्नि तत्व है, रावण में भी अग्नि तत्व है। राम के 'र' के अग्नि वर्ण को 'म' में पूर्णता प्राप्त हो गई और रावण के 'र' का अग्नि वर्ण 'वण' में जाकर अनियंत्रित हो गया, उस पर अहंकार और महत्वाकांक्षा हावी हो गई।

तो जीवन का सबसे विशिष्ट सूत्र है- सदैव अपने हृदय में राम का वास रखो। राम नाम जप की पवित्रता आपका रक्षा कवच है अनियंत्रित महत्वाकांक्षाओं के नियंत्रण का। राम नाम का जप है मनुष्य के अहंकार को रक्षा कवच देने का। सार बात यह है कि अपने जीवन में अहंकार और महत्वाकांक्षा को अपने नियंत्रण में रखो। महत्वाकांक्षा और अहंकार को अपने सिर पर हावी मत होने दो। उपाय है राम नाम का रक्षा कवच। जय श्री राम!

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

भारत का अनूठा ऊर्जा परिदृश्य

– हरदीप एस. पुरी –

बीपी ऊर्जा के पूवार्नुमानों और आईईए अनुमानों के अनुसार, बढ़ती ऊर्जा जरूरतों के साथ दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में; भारत की, 2020-2040 के बीच वैश्विक ऊर्जा मांग वृद्धि में हिस्सेदारी लगभग 25 प्रतिशत होगी।

यह अपरिहार्य है कि हम अपनी बड़ी आबादी के लिए ऊर्जा तक पहुंच, उपलब्धता और इसे किफायती बनाये रखना सुनिश्चित करें। यह हमारी स्थिति को अद्वितीय बनाता है और इसी बात पर हमारी ऊर्जा रणनीति भी आधारित है, जिसे अब दुनिया भर में व्यावहारिक और संतुलित माना जाता है।

भारत ऐसा करने में कैसे सफल रहा है? यू.एस., कनाडा, स्पेन और यूके में पेट्रोल व डीजल की कीमतें 35-40 प्रतिशत तक बढ़ गईं, लेकिन कच्चे तेल की अपनी आवश्यकताओं का 85 प्रतिशत तथा प्राकृतिक गैस की अपनी आवश्यकताओं का 55 प्रतिशत से अधिक आयात करने के बावजूद, भारत में डीजल की कीमतों में पिछले 1 साल में कमी दर्ज की गयी है। जब हमारे पड़ोस के कई देशों में मांग को प्रबंधित करने के लिए बिजली कटौती हो रही थी तथा पेट्रोल और डीजल की भारी किल्लत थी, तो भारत में, यहां तक कि बाढ़ व प्राकृतिक आपदा जैसी स्थिति में भी, कहीं भी ईंधन की कोई कमी नहीं थी। यह हमारे नागरिकों के लिए ऊर्जा न्याय सुनिश्चित करने के प्रति माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी के विजन के कारण संभव हुआ है। केंद्र और कई बीजेपी शासित राज्यों ने उत्पाद शुल्क और वैट दरों में दो बार भारी कटौती की घोषणा की। अच्छे कॉर्पोरेट नागरिक होने का परिचय देते हुए सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने भारी नुकसान को सहन किया, ताकि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की कीमतों में भारी बढ़ोतरी का भार भारतीय उपभोक्ताओं पर न पड़े। हमारे सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा घरेलू गैस के अपने खुद के उपयोग को कम करने की कीमत पर भी, शहरी गैस वितरण क्षेत्र के लिए सब्सिडी वाली एपीएम गैस की आपूर्ति में भारी वृद्धि की गई। घरेलू उपभोक्ताओं को नजरअंदाज कर रिफाइनरों और उत्पादकों द्वारा मुनाफा कमाने से रोकने के लिए; पेट्रोल, डीजल और एटीएफ पर निर्यात उपकर और घरेलू उत्पादित पेट्रोलियम उत्पादों पर विंडफॉल टैक्स लगाया गया।

इन वर्षों में, भारत ने कच्चे तेल के आपूर्तिकताओं के अपने नेटवर्क का विस्तार किया है, जिसमें अब 39 देश शामिल हैं, जो पहले 27 देशों तक सीमित था। भारत ने कच्चे तेल की विश्वसनीय आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका (पिछले 4 वर्षों में ऊर्जा व्यापार 13 गुना बढ़ गया है) और रूस जैसे देशों के साथ अपने संबंधों को और मजबूत किया है। दुनिया के तीसरे सबसे बड़े आयातक के रूप में इस रणनीतिक बाजार कार्ड ने न केवल भारतीय उपभोक्ताओं के लिए किफायती ऊर्जा सुनिश्चित की, बल्कि वैश्विक पेट्रोलियम बाजारों पर भी शांतिपूर्ण प्रभाव डाला।

जिस तथ्य पर ध्यान दिया जाना चाहिए, वह यह है कि भारत द्वारा कुछ देशों से पेट्रोलियम उत्पादों की खरीद ने वास्तव में, लगभग 98-100 मिलियन बैरल/दिन की वैश्विक मांग और आपूर्ति को संतुलित रखा है, जिससे वैश्विक मूल्य श्रृंखला के लिए तेल की कीमतों को नियंत्रण में रखना संभव हुआ है। अगर ऐसा नहीं किया गया होता, तो वैश्विक कीमतें 300 डॉलर/बैरल तक पहुंच गई होतीं!

हम पारंपरिक ईंधन अन्वेषण और ऊर्जा स्त्रोतों में परिवर्तन, दोनों पर काम कर रहे हैं। भारत को एक आकर्षक ई एंड पी केंद्र बनाने के लिए हमारे सुधार; परामर्श प्रदाता कंपनी वुड मैकेंजी की रिपोर्ट में परिलक्षित होते हैं, जिसमें कहा गया है कि भारत 2023 का लाइसेंसिंग वाइल्डकार्ड हो सकता है। भारत, 2025 तक, अन्वेषण के तहत अपने शुद्ध भौगोलिक क्षेत्र को 8 प्रतिशत (0.25 मिलियन वर्ग किमी) से बढ़ाकर 15 प्रतिशत (0.5 मिलियन वर्ग किमी) तक करना चाहता है और हमारे विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) में निषिद्ध/इस्तेमाल नहीं वाले क्षेत्रों को 99 प्रतिशत तक कम कर दिया गया है, जिससे अन्वेषण के लिए लगभग 1 मिलियन वर्ग किमी अतिरिक्त क्षेत्र की उपलब्धता सुनिश्चित हुई है।

जैसा मोदी जी ने ग्लासगो में वक्तव्य दिया था, हम अपने जलवायु स्त्रोतों के परिवर्तन से जुड़ी प्रतिबद्धताओं को लेकर दृढ़ हैं- जिसमें 2070 तक उत्सर्जन में नेट-जीरो का लक्ष्य हासिल करना और 2030 के अंत तक उत्सर्जन में 1 बिलियन टन की कटौती करना शामिल है।

जीवन स्तर के बेहतर होने और तेजी से शहरीकरण के अनुरूप, हम अपने पेट्रोकेमिकल उत्पादन का भी तेजी से विस्तार कर रहे हैं। भारत पेट्रोलियम उत्पादों का एक वैश्विक निर्यातक है और इसकी रिफाइनिंग क्षमता संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और रूस के बाद दुनिया में चौथी सबसे बड़ी है। 2040 तक इस क्षमता को 450 एमएमटी तक बढ़ाने के प्रयास जारी हैं। रिफाइनिंग क्षमता विस्तार भी, अंतर्राष्ट्रीय तेल कीमतों में पिछले वर्ष हुए उतार-चढ़ाव के दौरान, ईंधन की कीमतों में स्थिरता सुनिश्चित करने वाले प्रमुख कारकों में से एक था।

भारत 2030 तक गैस की हिस्सेदारी मौजूदा 6.3 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत करके गैस आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ने के अपने प्रयासों में भी तेजी ला रहा है। भारत ने पिछले नौ वर्षों में 9.5 करोड़ से अधिक परिवारों को स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन की सुविधा वाले परिवारों में शामिल किया है। पीएनजी कनेक्शन 2014 के 22.28 लाख से बढ़कर 2023 में 1 करोड़ से अधिक हो गए हैं। भारत में सीएनजी स्टेशनों की संख्या 2014 के 938 से बढ़कर 2023 में 4900 हो गई है। भारत ने अपने गैस पाइपलाइन नेटवर्क की लंबाई, 2014 के 14,700 किलोमीटर से 2023 में 22,000 किलोमीटर तक बढ़ा दी है।

हाल ही में समाप्त हुए भारत ऊर्जा सप्ताह 2023 में, माननीय प्रधानमंत्री द्वारा ई20, यानि 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रित गैसोलीन लॉन्च किया गया। इसके साथ, भारत ने अपनी जैव ईंधन क्रांति में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया, जिसे 15 शहरों में शुरू करके, अगले दो वर्षों में पूरे देश में विस्तारित किया जाएगा। भारत का इथेनॉल मिश्रित गैसोलीन 2013-14 के 1.53 प्रतिशत से बढ़कर 2023 में 10.17 प्रतिशत हो गया है। अब भारत पांच, दूसरी पीढ़ी के इथेनॉल भी स्थापित कर रहा है, जो कृषि अपशिष्ट को जैव ईंधन में परिवर्तित कर सकते हैं, जिससे पराली जलाने के कारण प्रदूषण कम होगा और किसानों की आय में वृद्धि होगी।

देश में संपूर्ण हरित हाइड्रोजन इकोसिस्टम विकसित करने के लिए 19,744 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन शुरू किया गया है, जो 4 मीट्रिक टन वार्षिक हरित हाइड्रोजन उत्पादन की दिशा में भारत के प्रयासों में तेजी लाएगा और 2030 तक संचयी जीवाश्म ईंधन आयात में 1 लाख करोड़ रुपये तक की बचत करेगा। भारत 2030 तक हरित हाइड्रोजन इकोसिस्टम विकसित करने के क्रम में अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करने के लिए तैयार है।

अपनी ऊर्जा रणनीति की तरह, हम भारत के भविष्य के परिवहन क्षेत्र को बदलने के लिए एक एकीकृत मार्ग अपना रहे हैं। इसलिए, हरित हाइड्रोजन और जैव ईंधन के साथ, भारत ने 50 गीगावाट घंटे के उन्नत रसायन सेल बनाने के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना शुरू की है, जिसके माध्यम से इलेक्ट्रिक वाहनों को समर्थन दिया जा रहा है। इस क्षेत्र के लिए व्यावहारिक अंतर वित्तपोषण और सीमा शुल्क छूट की भी घोषणा की गयी है। हमने, मई 2024 तक 22,000 रिटेल आउटलेट्स पर वैकल्पिक ईंधन स्टेशनों (ईवी चार्जिंग/ सीएनजी/ एलपीजी/एलएनजी/सीबीजी आदि) की स्थापना का लक्ष्य निर्धारित किया है।

हम अपने अमृत काल के लक्ष्य, 2047 तक 26 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। हम माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी के विजन के अनुरूप ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा ऊर्जा स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए एक अद्वितीय रणनीति लागू कर रहे हैं।

(लेखक, केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस तथा आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री हैं।)

लॉ कॉलेजों में दाखिले का मौका 26 मई तक

नई दिल्ली : जून सत्र के लिए एलएसएटी-इंडिया 2023 के लिए आवेदन फार्म भरने की प्रक्रिया 23 मार्च से शुरू की जा चुकी है। रजिस्ट्रेशन विंडो 26 मई 2023 तक खुली रहेगी। विश्व स्तर पर लॉ स्कूल प्रवेश के दिग्गज लॉ स्कूल एडमिशन काउंसिल (एलएसएसी) ने इसे डिजाइन किया है और पियरसन व्यू (वीयूई) इन परीक्षाओं को आयोजित कराता है। 'एलएसएटी इंडिया' भारत भर के संस्थानों में एक स्थान सुरक्षित करने के इच्छुक संभावित उम्मीदवारों के लिए अग्रणी लॉ स्कूल प्रवेश परीक्षा है। उम्मीदवारों को अपने प्राप्त स्कोर के अनुसार कार्यक्रम से संबद्ध 12 संस्थानों में प्रवेश लेने का मौका प्राप्त होता है।

इन संस्थानों में प्रवेश का है मौका : जिंदल ग्लोबल लॉ स्कूल, ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, यूपीईएस, बीएमएल मुंजाल विश्वविद्यालय, जीडी गोयनका विश्वविद्यालय, वीआटी चेन्नई स्कूल ऑफ लॉ, एलायंस यूनिवर्सिटी, प्रेसीडेंसी यूनिवर्सिटी, एशियन लॉ कॉलेज, आईएसबीआर लॉ कॉलेज, लॉयड लॉ कॉलेज, मेवाड़ यूनिवर्सिटी, शोभित यूनिवर्सिटी।

कई स्लॉट में होगी परीक्षा

जून पंजीकरण विंडो 26 मई, 2023 को बंद हो जाएगी। परीक्षा की टेस्ट शेड्यूलिंग 17 अप्रैल से 29 मई 2023 से उपलब्ध होगी। जून सत्र की परीक्षा 8 जून से 11 जून 2023 तक कई स्लॉट में आयोजित की जाएगी। संभावित उम्मीदवारों को अपनी परीक्षा को पंजीकृत करने और शेड्यूलिंग के लिए www.lsatindia वेबसाइट पर जाना होगा।

एलएसएटी-इंडिया अपने 14वें वर्ष में

एलएसएटी-इंडिया अब अपने 14वें साल में है। यह भारत के लॉ कॉलेजों द्वारा अंडर-ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट दोनों कार्यक्रमों के लिए इस्तेमाल की जाने वाली प्रमुख कानून प्रवेश परीक्षाओं में से एक है। एनालिटिकल रीजनिंग, लॉजिकल रीजनिंग, रीडिंग कंप्रेंहस्सिव सेक्शन के साथ, एलएसएटी-इंडिया एडवांस रीडिंग स्किल, महत्वपूर्ण सोच और अनौपचारिक और निगमनात्मक तर्क कौशल के आधार पर कानून के उम्मीदवारों के कौशल का आकलन करने के लिए एक मानकीकृत परीक्षा है। परीक्षा में 92 प्रश्नों का जवाब 2 घंटे 20 मिनट के भीतर दिया जाना होता है। परिणाम स्केल्ड स्कोर और पर्सेंटाइल रैंक दोनों के साथ रिपोर्ट किए जाते हैं। अधिकतम परीक्षार्थियों तक पहुंच और सुविधा प्रदान करने के लिए रिमोट प्रॉक्टोरिंग के साथ परीक्षा पूरे भारत में ऑनलाइन आयोजित की जाएगी।

चल जंगल चल

चल जंगल चल, चल जंगल
सबका ध्यान प्रकृति रखती
इसे निरखती, उसे परखती
जाड़े में बढ़ रोम वस्त्र हैं
सिंग और श्रृंगाभ शस्त्र हैं
चोंच, दन्त, नख, गंध, रंग से
भरा है वन का पूरा शस्त्रागार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल

चल जंगल चल, चल जंगल
जंगल में आदिवासी हैं
वन इनके काबा-काशी हैं
इनका जीवन शुद्ध-सरल है
मस्त जिन्दगी का हरपल है
ये जीवन का दर्शन जानें
'हाय-हाय' है नहीं, न 'हाहाकार'... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल

(क्रमशः)

कुमार मनीष अरविन्द

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा दामिनी प्रिन्टर्स, जेब्री.- 12, सिटी सेन्टर, सेक्टर-4, बोकारो से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **श्रवण कुमार झा,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई. पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)

एक बार फिर डराने लगी महामारी निपटने की हो रही पुख्ता तैयारी

10-11 को देशभर में होगी मॉकड्रिल

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : दो साल के कोरोनाकाल के बाद देश अब पटरी पर लौटता आ रहा है, परंतु ऐसे में कोरोना (कोविड-19) महामारी के बढ़ते मामले एक बार फिर डराने लगे हैं। इसके साथ ही मौसमी इन्फ्लुएंजा के केस बढ़ने लगे हैं। हालांकि, पूरा देश इस आफत से निपटने के लिए एक बार फिर तैयारी में जुट गया है। इस बीच सरकार अस्पतालों की तैयारियों का जायजा लेने के लिए 10 और 11 अप्रैल को राष्ट्रव्यापी मॉक ड्रिल की योजना बना रही है। इसे लेकर केंद्र सरकार ने एडवाइजरी जारी की है। इसमें कहा गया है कि सभी जिलों के सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों की स्वास्थ्य इकाइयां इस मॉकड्रिल में भाग लेंगे।

जारी की गई एडवाइजरी में यह भी कहा गया है कि फरवरी के मध्य से देश में कोविड- 19 मामलों में क्रमिक लेकिन निरंतर वृद्धि देखी जा रही है। इस समय, देश में अधिकांश कोरोना मामले केरल (26.4 प्रतिशत), महाराष्ट्र (21.7 प्रतिशत), गुजरात (13.9 प्रतिशत), कर्नाटक (8.6 प्रतिशत) और तमिलनाडु (6.3 प्रतिशत) जैसे कुछ राज्यों द्वारा रिपोर्ट किए जा रहे हैं।

मॉकड्रिल में सभी जिलों की स्वास्थ्य इकाइयों को शामिल होने का निर्देश इसके अलावा कोरोना के बढ़ते मामलों से निपटने की तैयारियों का जायजा लेने के लिए मॉकड्रिल में सभी राज्यों को शामिल होने के लिए भी कहा गया है। अप्रैल की 10 और 11 तारीख को होने वाली मॉकड्रिल में आईसीयू बेड, मेडिकल इक्विमेंट्स, ऑक्सीजन और मैनपावर की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। बढ़ते मामलों को देखते हुए आईसीएमआर और स्वास्थ्य मंत्रालय ने लिखी सभी राज्यों को चिट्ठी देश में इंफ्लूएंजा (फ्लू) के साथ कोरोना के मामले एक बार फिर से तेजी से बढ़ने लगे हैं। इसको लेकर शनिवार को भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के महानिदेशक राजीव बहल और स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने संयुक्त रूप से राज्यों को कोरोना की स्थिति पर खास एहतियात बरतने के निर्देश जारी किए। राज्यों को लिखी गई चिट्ठी में सरकार ने कोरोना की जांच बढ़ाने और बीमारी के त्वरित और प्रभावी प्रबंधन के लिए जरूरी उपायों पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी है। पत्र में लिखा गया है कि फरवरी के मध्य में कोरोना मामले तेजी से बढ़े हैं। खासकर केरल (26.4 प्रतिशत), महाराष्ट्र (21.7 प्रतिशत), गुजरात (13.9 प्रतिशत), कर्नाटक (8.6 प्रतिशत) और तमिलनाडु (6.3 प्रतिशत) में कोरोना के मामले तेजी से बढ़े हैं। इसको देखते हुए कोरोना के मामलों में वृद्धि को रोकने के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यों को फिर से शुरू करने की आवश्यकता है। राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी (ईली) और गंभीर तीव्र श्वसन बीमारी (सारी) के मामले पर कड़ी नजर रखने की सलाह दी गई है। पत्र में लिखा गया है कि कोरोना और इन्फ़्लुएंज़ा में कई समानताएं हैं। हालांकि सरल सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों का पालन करके इन दोनों बीमारियों को आसानी से रोका जा सकता है।

कोरोना केस में आया उछाल

146 दिन में सर्वाधिक 1590 नए मामले

गौरतलब है कि देश में शनिवार को कोरोना के 1,590 नए मामले दर्ज किए गए हैं। यह आंकड़ा बीते 146 दिन में सबसे ज्यादा हैं। इसके साथ ही खबर लिखे जाने तक कोरोना के उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 8,601 हो गयी है। वहीं, देश में कुल मामलों की संख्या बढ़कर 4,47,02,257 हो गयी है। साथ ही कोरोना से मरने वालों संख्या बढ़कर 5,30,824 हो गई है। शनिवार को जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, कोरोना संक्रमण की दैनिक दर 1.33 प्रतिशत दर्ज की गई है वहीं साप्ताहिक संक्रमण दर 1.23 प्रतिशत हो गई है।

कोविड प्रोटोकॉल के अनुपालन की अपील

कोरोना के बढ़ते खतरे को देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के परामर्श के मुताबिक लोगों को कोविड के लिए तय सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने की सलाह दी गई है। इसके साथ ही लोगों से भीड़भाड़ और बंद स्थानों में मास्क पहनने की सलाह दी है। साथ ही इसमें बार-बार साबुन से हाथ धोने और सार्वजनिक स्थानों पर थूकने से बचने की सलाह दी गई है।

बढ़ाई जाएगी टेस्टिंग

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा शनिवार को जारी एक संयुक्त एडवाइजरी में कहा गया है कि पिछले कई हफ्तों में कुछ राज्यों में कोविड-19 की टेस्टिंग में गिरावट आई है। साथ ही यह भी पाया गया है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित मानकों की तुलना में वर्तमान में परीक्षण स्तर अपर्याप्त हैं। इसको देखते हुए सभी राज्यों को कोरोना जांच में बढ़ावा देने और लक्षणों की जानकारी देने के लिए भी कहा है।

CASHLESS FACILITY CASHLESS FACILITY CASHLESS FACILITY
शिवम् हॉस्पीटल में
सेल के रिटायर्ड कर्मचारियों के लिए
मोतियाबिन्द का ऑपरेशन
एवं लेंस लगाया जाता है।
E-2, LAXMI MARKET, SECTOR-4, B.S.CITY-827004
PH: 06542-232623/233475, MOB: 7488090631